



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)

PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

५
१३/९८

सं. 66]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 15, 1997/अग्रहायण 24, 1919

No. 66]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 15, 1997/AGRAHAYANA 24, 1919

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1997

आ. अ. 121 (अ).—भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 5 और 10 के साथ पठित भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निमित उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 में इसके द्वारा निम्नलिखित और संशोधन करता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :—

- (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) (संशोधन) आदेश, 1997 कहा जाएगा।
- (2) यह भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा।

2. पैरा 2 का संशोधन :—

निर्वाचन प्रतीक (आरक्षण और आबंटन) आदेश, 1968 में (इसमें इसके पश्चात् मुख्य आदेश के रूप में निर्दिष्ट किया गया है), पैरा 2 में, उप-पैरा (1) में,

खण्ड (ड) के बाद निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(ड.ड) “फार्म का अर्थ” इस आदेश के साथ संलग्न फार्म।”

3. पैरा 6 का संशोधन :—

मुख्य आदेश के पैरा 6 में, उप पैरा (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप पैरे रखे जाएंगे, अर्थात् :—

- “(2) किसी राज्य में राजनैतिक दल को मान्यता प्राप्त दल तभी, और केवल तभी, माना जाएगा जब या तो खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट शर्तें या खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट शर्त, उस दल द्वारा पूरी की जाएं, किन्तु अन्यथा नहीं, अर्थात् :—
- (क) कि ऐसा दल—

॥क॥ लगातार पांच वर्ष से राजनीतिक क्रियाकलाप में संलग्न रहा है,

॥ख॥ यथास्थिति, लोकसभा या उस राज्य की विधान सभा के लिए राज्य में हुए साधारण निर्वाचन में :-

या तो ॥।॥ लोकसभा के लिए उस राज्य से निर्वाचित प्रत्येक पार्टीस सदस्यों

अथवा उस संघटा की किसी भिन्न के पीछे कम से कम एक सदस्य,

अथवा ॥।॥ उस राज्य की विधान सभा के लिए उस सभा के प्रत्येक तीस सदस्यों

या उस संघटा की किसी भिन्न के पीछे कम से कम एक सदस्य,

निर्वाचन द्वारा भेज दुका हो,

॥ब॥ यथास्थिति, लोक सभा अथवा उस राज्य की विधानसभा के लिए राज्य में पिछो

साधारण निर्वाचन में ऐसी पार्टी द्वारा छड़े किए गए सभी अन्याधियों द्वारा प्राप्त

विधिमान्य मतों की कुल संख्या उस राज्य में हुए ऐसे साधारण निर्वाचन में, निर्वाचन

लड़ने वाले सभी अन्याधियों द्वारा प्राप्त विधिमान्य मतों की कुल संख्या की छह

प्रतिशत से कम नहीं है ।

॥२ क॥ उप-पैरा ॥२॥ के खण्ड ॥५॥ में किसी बात के होते हुए किसी राजनीतिक दल को राज्य में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के स्म में माना जाएगा, यदि यथास्थिति लोकसभा अथवा विधान सभा के लिए जो निर्वाचन प्रतीक ॥आरक्षण और आबंटन॥ ॥उत्थापन॥ आदेश, १९९७ के प्रारम्भ होने के समय ॥आस्तात्प में हो और कृत्य कर रही हो, उस राज्य में हुए साधारण निर्वाचन में, उस दल द्वारा छड़े किए गए निर्वाचन लड़ने वाले सभी अन्याधियों द्वारा प्राप्त विधिमान्य मतों की कुल संख्या ॥किन्तु किसी निर्वाचन-क्षेत्र में निर्वाचन लड़ने वाले से हर एक अन्याधी के विधिमान्य मतों को अपवर्जित करते हुए, जो निर्वाचित नहीं हुआ है तथा जिसने उस निर्वाचन-क्षेत्र में सभी निर्वाचन लड़ने वाले अन्याधियों द्वारा प्राप्त विधिमान्य मतों की कुल संख्या के कम से कम बारहवें भाग जितने मत प्राप्त नहीं किए हैं॥ उस राज्य में हुए ऐसे साधारण निर्वाचन में निर्वाचन लड़ने वाले सभी अन्याधियों द्वारा प्राप्त विधिमान्य मतों की कुल संख्या की ॥निर्वाचन लड़ने वाले उन अन्याधियों के जिनके निक्षेप सम्पूर्ण हो गए हैं, विधिमान्य मतों की सीमित करते हुए॥ घार प्रतिशत से कम नहीं है ।"

4. पैरा 7 के स्थान पर नए पैरे का प्रतिस्थापन:-

मुख्य आदेश के पैरा 7 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“७. मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों के दो पुर्व ॥।॥ यदि कोई राजनीतिक दल

पैरा 6 के अनुसार यार अथवा उससे अधिक राज्यों में मान्यताप्राप्त राजनीतिक दल

माना जाता है तो वह सारे भारत में "राष्ट्रीय दल" के नाम से ज्ञात होगा तथा उसी सम में उसकी परिस्थिति होगी और वह उसका उपभोग करेगा, किन्तु केवल तब तक, जब तक कि वह राजनीतिक दल उसके पश्चात् या तो लोकसभा अधिवासी भी राज्य की विधान सभा के किसी अनुवर्ती साधारण निर्वाचन के परिणामों में पार अधिवास से अधिक राज्यों में सेसी मान्यता प्राप्त करने के लिए पैरा 6 में विनिर्दिष्ट शर्तें पूरी करता रहता है।

2. यदि कोई राजनीतिक दल पैरा 6 के अनुसार पार राज्यों से कम में मान्यताप्राप्त दल माना जाता है तो वह दल उस राज्य अधिवासे उन राज्यों में जिसमें/जिनमें वह मान्यता प्राप्त है "राष्ट्रीय दल" के नाम से ज्ञात होगा तथा उसी सम में उसकी परिस्थिति होगी और वह उसका उपभोग करेगा, किन्तु केवल तब तक, जब तक कि वह राजनीतिक दल उसके पश्चात् उस राज्य अधिवास राज्यों में, विधासिति, लोकसभा अधिवास राज्य की विधान सभा के किसी अनुवर्ती साधारण निर्वाचन के परिणामों में राष्ट्रीय दल के सम में मान्यता प्राप्त करने के लिए पैरा 6 में विनिर्दिष्ट शर्तें पूरी करता रहता है।"
5. पैरा 9 की जगह नए पैरा का प्रतिस्थापन:-

मुख्य आदेश के पैरा 9 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

" 9. ऐसे राष्ट्रीय दलों के लिए आरक्षित प्रतीकों के उन राज्यों के आबंटन पर निर्बन्धन जिनमें ऐसे दल मान्यता प्राप्त नहीं हैं":-

किसी भी राज्य में किसी राष्ट्रीय दल के लिए आरक्षित प्रतीक :-

॥कृ॒ किसी अन्य राज्य के लिए मुक्त प्रतीकों की सूची में तीम्पालित नहीं किया जाएगा, और

॥छू॑ किसी अन्य दल के लिए आरक्षित नहीं किया जाएगा जो, किसी अन्य राज्य के राष्ट्रीय दल के सम में मान्यता प्राप्त करने के लिए पैरा 6 में निर्दिष्ट शर्तें पूरा करने पर बाद में पात्र हो जाता है।

बार्टे छण्ड ॥छू॑ में निहित कुछ भी राजनीतिक दल के संबंध में लागू न होता हो, जिसके लिए आयोग ने, निर्वाचन प्रतीक ॥आरक्षण और आबंटन ॥ उसंशोधन ॥ आदेश, 1997 लागू होने के तटकाल पहले उसी प्रतीक को पहले ही आरक्षित किया हो जिसे इसने किसी अन्य राज्य द्वारा राज्यों में किसी अन्य राष्ट्रीय दल द्वारा दलों के लिए भी आरक्षित कर दिया हो।"

6. पैरा 10 के स्थान पर नए पैरा का प्रतिस्थापन:-

मुख्य आदेश के पैरा 10 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

" १० राज्यीय दल द्वारा अन्य राज्यों में निर्वाचितों में छड़े किए गए अध्यार्थियों को रियायत :- यदि कोई राजनीतिक दल जो किसी राज्य अथवा राज्यों में राज्यीय दल के सम में मान्यता प्राप्त है, किसी अन्य राज्य में, जहाँ कि वह सर्व मान्यता प्राप्त राज्यीय दल नहीं है, किसी निर्वाचित-क्षेत्र में, निर्वाचित के लिए कोई अभ्यर्थी उड़ा करता है, तो ऐसे अभ्यर्थी को, उस निर्वाचित क्षेत्र के अन्य सभी अभ्यर्थियों का अपर्वान करते हुए, वह प्रतीक, जो उस दल के लिए उस राज्य या राज्यों में, जहाँ तिन वर्ष मान्यता प्राप्त राज्यीय दल है, आरक्षित है, इस बात के होते हुए भी कि ऐसा प्रतीक, ऐसे अन्य राज्य के लिए प्रतीकों वी सूची में निर्दिष्ट नहीं है, निम्नलिखित में से प्रत्येक शर्त को पूरा करने पर आबंट दिया जाएगा, अर्थात् :-

॥१॥ कि उक्त दल ने अपने द्वारा छड़े किए गए अभ्यर्थी को वह प्रतीक अनन्य सम से आबंट करने के लिए आवेदन निर्वाचित की अपेक्षा करने वाली, अधिकृतना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशित होने के पश्चात् उसके तीन दिन के भीतर, आयोग को दे दिया है,

॥२॥ कि उक्त अभ्यर्थी ने अपने नामनिर्देशन पत्र में यह घोषणा की है कि उसे निर्वाचित में उस दल द्वारा छड़ा किया गया है और वह कि उस दल ने ऐसे अभ्यर्थी के संबंध में पैरा १३ के छण्ड ॥२॥, ॥३॥ और ॥४॥ की अपेक्षासं भी पूरी की है, और ॥५॥ कि आयोग की राय में, ऐसे आबंटन के लिए आवेदन नामंकूर करने का कोई समुचित आधार न हो :

बशर्ते कि इस पैरा में निर्दित कुछ भी उस अभ्यर्थी पर लागू नहीं होगा जिसे उस राज्य में, निर्वाचित में किसी भी निर्वाचित क्षेत्र में किसी राज्यीय दल ने छड़ा किया हो, जहाँ कि वह दल राज्यीय दल नहीं है और जहाँ वही प्रतीक उस राज्य में किसी अन्य राज्यीय दल के लिए पहले ही आरक्षित है ।"

7. पैरा १२ के लिए नए पैरा का प्रतिस्थापन:-

मुख्य आदेश के पैरा १२ के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा,
अर्थात्:-

" १२. अन्य अभ्यर्थियों द्वारा प्रतीकों का ध्यान और उनका आबंटन- ॥१॥ किसी राज्य में किसी निर्वाचित-क्षेत्र से निर्वाचित में -

॥१॥ किसी राज्यीय दल द्वारा छड़े किए गए अभ्यर्थी, अथवा

॥२॥ किसी ऐसे राजनीतिक दल द्वारा, जो उस राज्य में राज्यीय दल है, छड़े किए गए अभ्यर्थी अथवा

॥३॥ पैरा १० में संदर्भित अभ्यर्थी से भिन्न कोई अभ्यर्थी इस पैरा में सततप्रधार दिश

गरे उपबन्धों के अनुसार, पैरा 17 के अधीन अधिसूचना द्वारा उस राज्य के लिए मुक्त प्रतीकों के सम में विनिर्दिष्ट प्रतीकों में से एक को युन लेणा तथा वही उसे आबंटित किया जास्ता ।

॥२॥ जहाँ कि ऐसे निर्वाचन में कोई मुक्त प्रतीक केवल एक अन्यर्थी द्वारा युना गया है वहाँ रिटर्निंग आफिसर वह प्रतीक उस अन्यर्थी को न कि किसी अन्य को, आबंटित करेगा ।

॥३॥ जहाँ कि ऐसे निर्वाचन में कई अन्यर्थियों द्वारा एक ही मुक्त प्रतीक युना गया है, वहाँ-
॥४॥ यदि उन कई अन्यर्थियों में से केवल एक अन्यर्थी विस्तीर्ण ऐसे राजनीतिक दल द्वारा छढ़ा किया गया है, जो इस समग्र अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल है, लेकिन जो ऐसे निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख ते छह वर्ष पूर्व से अनियक उस राज्य में एक मान्यताप्राप्त राज्यीय दल था तो रिटर्निंग आफिसर ऐसे अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल द्वारा छड़े किए गए अन्यर्थी को न कि किसी अन्य को वह मुक्त प्रतीक आबंटित करेगा ।

और, यदि, उन कई अन्यर्थियों में से दो या अधिक अन्यर्थी ऐसे अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा छड़े किए गए हैं, जो उस राज्य में पहले मान्यता प्राप्त राज्यीय दल थे; तो रिटर्निंग आफिसर लॉट द्वारा यह विनिश्चय करेगा कि उक्त राजनीतिक दलों द्वारा छड़े किए गए इन दो या अधिक अन्यर्थियों में से किसे वह मुक्त प्रतीक आबंटित किया जाए, तथा जिस अन्यर्थी के पक्ष में लॉट निकले, उसी को, न कि किसी अन्य को, वह मुक्त प्रतीक आबंटित करेगा,

॥५॥ यदि उन कई अन्यर्थियों में से, केवल एक ऐसा अन्यर्थी हो जिसे अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल द्वारा छड़ा किया गया हो और बाकी सभी निर्दलीय अन्यर्थी हों, तो रिटर्निंग आफिसर अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल द्वारा छड़े किए गए अन्यर्थी को, न कि किसी अन्य को, वह मुक्त प्रतीक आबंटित करेगा और यदि उन कई अन्यर्थियों में से दो या अधिक अन्यर्थी विभिन्न अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ॥५॥ के तंदीर्भव दलों के तंदीर्भव द्वारा छड़े किए गए हैं और शेष निर्दलीय अन्यर्थी हैं, तो रिटर्निंग आफिसर लॉट द्वारा यह विनिश्चय करेगा कि विभिन्न अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा छड़े किए गए दो या अधिक अन्यर्थियों में से किसे वह मुक्त प्रतीक आबंटित किया जाए तथा जिस अन्यर्थी के पक्ष में लॉट निकले उसी को, न कि किसी अन्य को वह मुक्त प्रतीक आबंटित करेगा,

परन्तु जहाँ विभिन्न अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा छड़े किए गए ऐसे दो या अधिक अन्यर्थियों में से केवल एक, ऐसे निर्वाचन से ठीक पूर्व,

यथास्थिति, लोकसभा अथवा विधान सभा का, आसीन सदस्य है या था
इस तथ्य पर विचार किए जिनके विषय में जब वह ऐसा सदस्य
चुना गया था, उसे वहाँ मुक्त प्रतीक आबंटित किया गया था अथवा कोई
अन्य प्रतीक, वह रिटर्निंग आफिसर उस अधिकारी को, न कि किसी अन्य
को, वह मुक्त प्रतीक आबंटित करेगा,

४५४ यदि उन कई अधिकारीहों में से कोई भी किसी अमान्वता प्राप्त राजनीतिक
दल द्वारा छड़ा नहीं किया गया है लेकिन सभी अधिकारी निर्दलीय हैं, तथा
उन निर्दलीय अधिकारीहों में से एक ऐसे निवार्धन से ठीक पूर्व, यथास्थिति,
लोक सभा अथवा विधान सभा का आसीन सदस्य है, या था, तो रिटर्निंग
आफिसर उस अधिकारी को, न कि किसी अन्य को, वह मुक्त प्रतीक आबंटित
करेगा, और

४५५ यदि उन कई अधिकारीहों में सभी अधिकारी निर्दलीय हैं और कोई भी यथा
पूर्वोक्त आसीन सदस्य नहीं है या नहीं था, तो रिटर्निंग आफिसर लॉट द्वारा
यह विनिश्चय करेगा कि उन निर्दलीय अधिकारीहों में से किसको वह मुक्त प्रतीक
आबंटित किया जाए, तथा जिस अधिकारी के पश्च में लॉट निक्ले, उसी को, न
कि किसी अन्य को, वह मुक्त प्रतीक आबंटित करेगा:

४५६ पैरा ।३ के स्थान पर नए पैरा का प्रतिस्थापन:- मुख्य आदेश के पैरा ।३ के
स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"।३. किसी अधिकारी को किसी राजनीतिक दल द्वारा छड़ा किया गया क्षमा
समझा जाएगा- इस आदेश के प्रयोजनों के लिए, कोई अधिकारी किसी राजनीतिक दल
द्वारा छड़ा किया गया अधिकारी केवल तभी समझा जाएगा, जब -
४५७ उस अधिकारी ने इस आशय की घोषणा अपने नामनिर्देशन पत्र में कर दी हो,
४५८ उस आशय की लिखित सूचना फार्म "छ" में नामनिर्देशन पत्र दाखिल करने की
अनितम तारीख को ३ बजे अपराह्न के अपश्चात् निवार्धन क्षेत्र के रिटर्निंग
आफिसर को और राज्य के मुख्य निवार्धन अधिकारी को परिदत्त कर दी
गई हो,

४५९ उक्त सूचना दल के अध्यक्ष, सचिव अथवा किसी अन्य पदाधिकारी द्वारा
हस्ताक्षरित हो तथा अध्यक्ष, सचिव अथवा ऐसा अन्य पदाधिकारी दल द्वारा
ऐसी सूचना भेजने के लिए प्राप्तिकृत हो,

४६० ऐसे प्राप्तिकृत व्यक्ति का नाम और नमूना हस्ताक्षर फार्म "क" में, नाम
निर्देशन पत्र दाखिल करने की अनितम तारीख को ३ बजे अपराह्न के अपश्चात्
उस निवार्धन-क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर अथवा राज्य के मुख्य निवार्धन अधिकारी
को सुचित कर दिए गए हों, और

॥५०॥ फार्म "क" और "ख", उस दल द्वारा उक्त प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा केवल स्थानी हो, हस्तांशीरित हों, परन्तु किसी से से पदाधिकारी के अनुलिपि हस्ताक्षर अथवा रबर स्टाम्प आदि के माध्यम से किस हस्ताक्षर स्वीकार नहीं किए जाएंगे और फैक्स द्वारा भेजा गया कोई भी फार्म स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

॥५१॥ फार्म "क" व "ख" का अन्तःस्थापन- मुख्य आदेश के फैरा १७ के पश्चात् "फार्म जोड़े जाएंगे :-

फार्म "क"

मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय अथवा राज्यीय दल अथवा रजिस्ट्रीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल द्वारा छड़े किये गये उम्मीदवारों के नाम पुङ्गापित करने के लिए प्राधिकृत व्यक्तियों के संबंध में संसूचना

॥निर्वाचन प्रतीक ॥आरक्षण और आबंटन॥ आदेश, १९६८ के पैरा १३ ॥गृह ॥प ॥५०॥
देखिए॥

सेवा में,

- १. मुख्य निर्वाचन अधिकारी ॥राज्य/संघ राज्य क्षेत्र॥
- २. रिटार्निंग आफिसर, निर्वाचन-क्षेत्र ।

पिष्यः-..... ॥राज्य/संघ राज्य क्षेत्र॥.....
..... के लिए साधारण निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन-
उम्मीदवारों के नाम पुङ्गापित करने के लिए व्यक्तियों की प्राधिकृत करना ।

महोदय,

निर्वाचन प्रतीक ॥आरक्षण और आबंटन॥ आदेश, १९६८ के पैरा १३ ॥गृह ॥प ॥४॥
के अनुसरण में मुझे ऐसद्वारा यह संसूचित करना है कि दल द्वारा जो कि.....
एक राष्ट्रीय दल/..... राज्य में राज्यीय दल/.....रजिस्ट्रीकृत अमान्यता प्राप्त दल
है, निम्नलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों को उपरीरातीषित निर्वाचन में दल द्वारा छड़े किए जाने वाले
प्रस्तावित उम्मीदवारों के नामों को पुङ्गापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।

* जो लागू न हो, काट दें ।

नोटिस भेजने के लिए प्राधिकृत
छ्यक्ति ना नाम

दल में धारित पद
का नाम

जिला ॥जिलों॥/क्षेत्र ॥क्षेत्रों॥/निर्वाचन
क्षेत्र/निर्वाचन क्षेत्रों के नाम जिसके
संबंध में उसे प्राधिकृत किया गया है

2.

3.

2

1

1

1

२. इस प्रकार प्रार्थकृत उपरिलिखित व्यक्ति/व्यक्तियों के हस्ताक्षरों के नमूने नीये दिए गए हैं:-

१. श्री का नम्बर हस्ताक्षर

.....

81118.....(e.t.)/.....

The name

२० श्री.....का नमूना हस्ताक्षर

.....

A decorative horizontal separator located at the top of the page. It features a series of vertical bars of increasing height from left to right, followed by a sequence of small black dots.

३. श्री.....का नमूना दस्तावेज़

11.....113.....

8 ||| 8

भवदीय,

अध्यक्ष/सचिव
दल का नाम ।

स्थान

दिनांक

ੴ ਦਲ ਦੀ ਪ੍ਰਾਹਣੁ ॥

विशेष दृष्टव्य ५। यह रिटार्निंग आफिसर तथा मुख्य निवार्धन अधिकारी को नामीनिर्देशन पत्र दारीछल करने की अंतिम तारीख को ३००० बजे अपराह्न के अवश्यात् अवश्य दे दिया जाए ।

॥१२॥ फार्म उपर्युक्त पदार्थकारी [पदाधिकारिएटॉ] तरा स्थाही से अवश्य ही हस्ताक्षरित होना चाहिए। किसी भी पदार्थकारी के अनुलिपि हस्ताक्षर अथवा रबर स्टाम्प आदि के माध्यम से तिथि हस्ताक्षर स्वीकार नहीं किया जाएगे।

४३४ फैक्स द्वारा भेजा गया कोई भी फार्म त्वीकार नहीं किया जाएगा।

फार्म "छ"

राजनीतिक दल छारा छड़े फैक्स गए उम्मीदवारों के नामों से संबंधित नोटिस
गुनर्वाइन प्रतीक {आरक्षण और आबंटन} आदेश, 1968 का पैरा 13 {ख} ये हैं:-
देखिए।

सेवा में,

- 1. मुख्य निर्वाचन अधिकारी..... {राज्य/संघ राज्य क्षेत्र}
- 2. रिटर्निंग आफिसर..... {निर्वाचन क्षेत्र}

विषय:- {राज्य/संघ राज्य क्षेत्र} से
..... के लिए साधारण निर्वाचन-उम्मीदवारों का छड़ा किए जाना।

महोदय,

निर्वाचन प्रतीक {आरक्षण और आबंटन} आदेश, 1968 के पैरा 3 {ख} के
अनुसरण में मुद्रे स्तरदारा यह सूचित करना है कि दल छारा
आगामी साधारण निर्वाचन में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के सम्मुख अंकित निम्नलिखित घोषित
..... अपने उम्मीदवार के स्थान में छड़े दिए गए हैं:-

निर्वाचन क्षेत्र का नाम	अनुमोदित उम्मीदवार का नाम	अनुमोदित उम्मीदवार के पिता/ पति का नाम	प्रतिस्थानी उम्मीद- वार का नाम {जो संवीक्षा के बाद अनुमोदित उम्मीद- वार का नाम निर्देशन-पत्र अस्वीकृत कर दिए जाने की दशा में निर्वाचन लड़ेगा।	प्रतिस्थानी उम्मीदवार के पिता/ पति का नाम
-------------------------------	---------------------------------	--	--	---

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

स्थान.....

भवदीय,

दिनांक.....

{दल के प्रार्थकृत घोषित का नाम और
हस्ताक्षर।}

{दल की मोहर।}

3182 5/1/97-2.

विशेष दृष्टव्य—(1) यह रिटाइंग आफिसर तथा मुख्य निवाचन अधिकारी को नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख को 3.00 बजे अपराह्न के पश्चात् अवश्य दे दिया जाए।

(2) फार्म उपर्युक्त पदाधिकारी (पदाधिकारियों) द्वारा स्थाही से अवश्य ही अस्ताक्षरित होना चाहिए। किसी भी पदाधिकारी के अनुलिपि हस्ताक्षर अथवा रबर स्टाम्प आदि के माध्यम से किए हस्ताक्षर स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(3) फैक्स द्वारा भेजा गया कोई भी फार्म स्वीकार नहीं किया जाएगा।

[सं. 56/97-न्यायिक-III]

आदेश से,

के. जे. राव, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th December, 1997

O.N. 121(E).—In exercise of the powers conferred by Article 324 of the Constitution of India read with Rules 5 and 10 of the Conduct of Elections Rules 1961, and all other powers enabling it in this behalf, the Election Commission of India hereby makes the following Order to further amend the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, namely :—

1. Short title and commencement :—

- (1) This order may be called the Election Symbols (Reservation and Allotment) (Amendment) Order, 1997.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Gazette of India.

2. Amendment of Paragraph 2:—

In the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968 (hereinafter referred to as the 'principal Order'), in paragraph 2, in sub-paragraph (1), after clause (e), the following clause shall be inserted, namely :—

"(ee) "form" means a form appended to this Order."

3. Amendment of Paragraph 6 ;—

In paragraph 6 of the principal Order, for sub-paragraph (2), the following sub-paraphs shall be substituted, namely :—

"(2) A political party shall be treated as a recognised political party in a State, if, and only if, either the conditions specified in clause (A) are, or the condition specified in clause (B) is, fulfilled by that party and not otherwise, that is to say :—

(A) that such party—

(a) has been engaged in political activity for a continuous period of five years; and

(b) has, at the last general election in that State to the House of the People, or, as the case may be, to the Legislative Assembly of the State, returned :—

either (i) at least one member to the House of the People for every twenty-five members of that House or any fraction of that number elected from that State;

or (ii) at least one member to the Legislative Assembly of that State for every thirty members of that Assembly or any fraction of that number ;

(B) that the total number of valid votes polled by all the contesting candidates set up by such party at the last general election in the State to the House of the People, or as the case may be, to the Legislative Assembly of the State, is not less than six per cent of the total number of valid votes polled by all the contesting candidates at such general election in the State.

(2A) Notwithstanding anything contained in clause (B) of sub-paragraph (2), a political party shall be treated as a recognised political party in a State, if, at the general election to the House of the People or, as the case may be, to the Legislative Assembly of the State, in existence and functioning at or immediately before the commencement of the Election Symbols (Reservation and Allotment) (Amendment) Order, 1997, the total number of valid

votes polled by all the contesting candidates set up by such party (but excluding the valid votes of each such candidate in a constituency as has not been elected and has not polled at least one-twelfth of the total valid votes polled by all the contesting candidates in that constituency) is not less than four percent of the total number of valid votes polled by all the contesting candidates at such general election in that State (including the valid votes of those contesting candidates who have forfeited their deposits).”

4. Substitution of new paragraph for paragraph 7 :- (I) For paragraph 7 of the principal Order, the following paragraph shall be substituted, namely:-

“7. Two categories of recognised political parties. – (1) If a political party is treated as a recognised political party in accordance with paragraph 6 in four or more States, it shall be known as, and shall have and enjoy the status of, a “National Party” throughout the whole of India, but only so long as that political party continues to fulfil thereafter the conditions specified in paragraph 6 for such recognition in four or more States on the results of any subsequent general election either to the House of the People or to the Legislative Assembly of any State.

(2) If a political party is treated as a recognised political party in accordance with paragraph 6 in less than four States, it shall be known as, and shall have and enjoy the status of, a “State Party” in the State or States in which it is so recognised, but only so long as that political party continues to fulfil thereafter the conditions specified in paragraph 6 for such recognition as a State Party on the results of any subsequent general election to the House of the People or, as the case may be, to the Legislative Assembly of the State, in the said State or States.”

Substitution of new paragraph for paragraph 9 :-

For paragraph 9 of the principal Order, the following paragraph shall be substituted, namely:-

“9. Restriction on the allotment of Symbols reserved for State Parties in States where such parties are not recognised – A symbol reserved for a State Party in any State –

(c) shall not be included in the list of free symbols for any other State; and

(b) shall not be reserved for any other party which subsequently becomes eligible, on fulfilment of the conditions specified in paragraph 6 , for recognition as a State Party in any other State:

Provided that nothing contained in clause (b) shall apply in relation to a political party, for which the Commission has, immediately before the commencement of the Election Symbols (Reservation and Allotment) (Amendment) Order, 1997 , already reserved the same symbol which it has also reserved for some other State Party or Parties in any other State or States.”.

6. Substitution of new paragraph for paragraph 10. :- For paragraph 10 of the principal Order, the following paragraph shall be substituted , namely:-

“10 Concessions to candidates set up by a State Party at elections in other States :- If a political party, which is recognised as a State Party in some State or States, sets up a candidate at an election in a constituency in any other State, in which it is not a recognised State Party, then such candidate may, to the exclusion of all other candidates in the constituency, be allotted the symbol reserved for that party in the State or States in which it is a

recognised State Party, notwithstanding that such symbol is not specified in the list of symbols for such other State, on the fulfilment of each of the following conditions, namely :—

- (a) that an application is made to the Commission by the said party for exclusive allotment of that symbol to the candidate set up by it, not later than the third day after the publication in the Official Gazette of the notification calling the election;
- (b) that the said candidate has made a declaration in his nomination paper that he has been set up by that party at the election and that the party has also fulfilled the requirements of clauses (b), (c) and (d) of paragraph 13 in respect of such candidate; and
- (c) that in the opinion of the Commission there is no reasonable ground for refusing the application for such allotment:

Provided that nothing contained in this paragraph shall apply to a candidate set up by a State Party at an election in any constituency in a State in which that party is not a State party and where the same symbol is already reserved for some other State Party in that State.”.

7. Substitution of new paragraph for paragraph 12. :- For paragraph 12 of the principal Order, the following paragraph shall be substituted namely:-

“12. Choice of symbols by other candidates and allotment thereof.—(1) Any candidate at an election in a constituency in a State
other than—
(a) a candidate set up by a National party; or

- (b) a candidate set up by a political party which is a State party in that State; or
- (c) a candidate referred to in paragraph 10;
- shall choose and shall be allotted in accordance with the provisions hereafter set out in this paragraph, one of the symbols specified as free symbols for that State by notification under paragraph 17.
- (2) Where any free symbol has been chosen by only one candidate at such election, the returning officer shall allot that symbol to that candidate and to no one else.
- (3) Where the same free symbol has been chosen by several candidates at such election, then—
- (a) if of those several candidates, only one is a candidate set up by a political party, which is at present an unrecognised political party but which was a recognised State Party in that State not earlier than six years from the date of notification of such election, the Returning Officer shall allot that free symbol to the candidate set up by such unrecognised political party and to no one else;
- and, if of those several candidates, two or more candidates are set up by such unrecognised political parties, which previously were recognised State Parties in that State, the Returning Officer shall decide by lot as to which of these two or more candidates set up by the said political parties that free symbol shall be allotted and allot that free symbol to the candidate on whom the lot falls and to no one else;
- (b) if of those several candidates, only one is a candidate set up by an unrecognised political party and all the rest are independent candidates, the Returning Officer shall allot that free symbol to the candidate set up by the unrecognised political party and to no one else and if of those several candidates, two or more are set up by different unrecognised political parties [other than the parties referred to in clause (a)] and the rest are independent candidates, the returning officer shall decide by lot to which of the two or more

candidates set up by the different unrecognised political parties that free symbol shall be allotted and allot that free symbol to the candidate on whom the lot falls and to no one else;

Provided that where of two or more such candidates set up by such different unrecognised political parties, only one is, or was, immediately before such election, a sitting member of the House of the People, or, as the case may be, of the Legislative Assembly (irrespective of the fact as to whether he was allotted that free symbol or any other symbol at the previous election when he was chosen as such member), the returning officer shall allot that free symbol to that candidate and to no one else;

(c) if of those several candidates, no one is set up by any unrecognised political party but all are independent candidates and one of the independent candidates is, or was immediately before such election a sitting member of the House of the People, or as the case may be, of the Legislative Assembly, and was allotted that free symbol at the previous election when he was chosen as such member, the returning officer shall allot that free symbol to that candidate and to no one else; and

(d) if of those several candidates, being all independent candidates, no one is or was a sitting member as aforesaid, the returning officer shall decide by lot to which of those independent candidates that free symbol shall be allotted and allot that free symbol to the candidate on whom the lot falls and to no one else:

8. Substitution of new paragraph for paragraph 13 :- For paragraph 13 of the principal Order, the following paragraph shall be substituted , namely:-

“13. When a candidate shall be deemed to be set up by a political party.- For the purposes of this Order, a candidate shall be deemed to be set up by a political party if, and only if,-

- (a) the candidate has made a declaration to this effect in his nomination paper;
- (b) a notice in writing, in Form B to that effect has, not later than 3 p.m. on the last date for making nominations, been delivered to the Returning Officer of the constituency and the Chief Electoral Officer of the State;
- (c) the said notice is signed by the President, the Secretary or any other office bearer of the party and the President, Secretary or such other office bearer is authorised by the party to send such notice;
- (d) the name and specimen signature of such authorised person are communicated to the returning Officer of the constituency and to the Chief Electoral Officer of the State, in Form A not later than 3 p.m. on the last date for making nominations; and
- (e) Forms A and B are signed, in ink only, by the said office bearer authorised by the party;
Provided that no fascimile signature or signature by means of rubber stamp, etc., of any such office bearer shall be accepted and no form transmitted by fax shall be accepted.

9. Insertion of Forms A and B :-

After paragraph 19 of the principle Order, the following forms shall be inserted :-

“FORM A

Communication with regard to Authorised Persons to intimate name of Candidates set up by recognised NATIONAL OR STATE Political party or REGISTERED UN-RECOGNISED political party.

(See paragraph 13(c), (d) and (e) of the Election Symbols
(Reservation and Allotment) Order, 1968.)

To

1. The Chief Electoral Officer,
.....(State/Union Territory).
2. The Returning Officer for the
.....Constituency.

Subject:- General Elections to from (State/Union Territory) – Allotment of Symbols – Authorisation of persons to intimate names of candidates.

Sir,

In pursuance of paragraph 13 (c) (d) and (e) of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, I hereby communicate that the following person (s) has/have been authorised by the party, which is National Party/State Party in the State of/Registered Un-recognised Party to intimate the names of the candidates proposed to be set up by the party at the election cited above.

Name of person authorised to send notice	Name of office held in the party	District(s)/area (s) constituency/constituencies in respect of which he has been authorised.
1	2	3
1.		
2.		
3.		
.		
.		
.		
.		

31829B197-3.

--	--	--

2. The specimen signatures of the above mentioned person (s) so authorised are given below:-

1. Specimen signatures of Shri
(i) (ii)
(iii)
2. Specimen signatures of Shri
(i) (ii)
(iii)
3. Specimen signatures of Shri
(i) (ii)
(iii)

Yours faithfully,

President/Secretary
Name of the Party

Place

Date

(Seal of the Party)

NB.

1. This must be delivered to the Returning Officer and the Chief Electoral Officer not later than 3 p.m. on the last date for making nominations.
2. Form must be signed in ink by the office bearer (s) mentioned above. No facsimile signature or signature by means of rubber stamp, etc., of any office bearer shall be accepted.
3. No form transmitted by fax shall be accepted.

FORM B

Notice as to names of candidates set up by the political party

(See paragraph 13(b) and (e) of the Election Symbols

(Reservation and Allotment) Order 1968)

To

3. The Chief Electoral Officer,
.....(State/Union Territory).
4. The Returning Officer for the
.....Constituency.

Subject:- General Elections to From (State/Union Territory) – setting up of candidate.

Sir,

In pursuance of paragraph 13 (b) and (e) of the Election Symbols (Reservation and Allotment) Order, 1968, I hereby give notice that the following persons have been set up by party as its candidates at the ensuing General Election from the constituency noted against :

Name of the constituency	Name of the approved candidate	Father's/ Husband's name of approved candidate	Postal address of approved candidate	Name of the substitute candidate (who will step-in on the approved candidates nomination being rejected on scrutiny)	Father's/ Husband's name of substitute candidate	Postal address of substitute candidate
1	2	3	4	5	6	7

Yours faithfully,

(Name and Signature of the
Authorised person of the Party)

(Seal of the Party)

Place

Date

NB.

4. This must be delivered to the Returning Officer and the Chief Electoral Officer not later than 3 p.m. on the last date for making nominations.
5. Form must be signed in ink by the office bearer (s) mentioned above. No facsimile signature or signature by means of rubber stamp, etc., of any office bearer shall be accepted.
6. No form transmitted by fax shall be accepted.”.

[No. 56/97-Judl. III]

By Order,

K. J. RAO, Secy.